



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 10, 2015/चैत्र 20, 1937

No. 88]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 10, 2015 /CHAITRA 20, 1937

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2015

(निर्णायक समीक्षा)

**विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "1,1,1,2- टेट्राफ्लोरोइथेन या आर-134ए" के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) जांच की शुरूआत**

**संख्या 15/23/2014-डीजीएडी.**—1995 में और उसके बाद यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात् अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए

2. यतः मै. एसआरएफ लि. द्वारा दायर किए गए एक आवेदन के आधार पर चीन जन. गण. और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "1,1,1,2- टेट्राफ्लोरोइथेन या आर-134ए" (जिससे एतद्पश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित मूल जाँच निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) द्वारा दिनांक 19 अगस्त, 2009 की अधिसूचना संख्या 14/24/2009-डीजीएडी द्वारा शुरू की गई थी।

3. यतः मूल जाँच में, प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जाँच परिणाम जारी किए गए थे जिसमें दिनांक 19 फरवरी, 2010 की अधिसूचना सं. 14/24/2009-डीजीएडी द्वारा चीन जन. गण. और जापान के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी। तदनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा चीन जन. गण. और

जापान के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर दिनांक 19 अप्रैल, 2010 की अधिसूचना संख्या 52/2010-सीमा शुल्क द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

4. यतः मूल जाँच में प्राधिकारी द्वारा अंतिम जाँच परिणाम जारी किए गए थे जिसमें दिनांक 10 मई, 2011 की अधिसूचना सं. 14/24/2009-डीजीएडी द्वारा चीन जन. गण. और जापान के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी। तदनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा चीन जन. गण. और जापान के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर दिनांक 15 जुलाई, 2011 की अधिसूचना संख्या 61/2011-सीमा शुल्क द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

5. यतः मै. एसआरएफ लि. जो मूल जाँच में घरेलू उद्योग था और भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है (जिसे एतदपश्चात् आवेदक भी कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों की ओर से प्राधिकारी के समक्ष विधिवत रूप से साक्ष्यांकित आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन.गण के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन के जारी रहने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने और यदि पाटनरोधी शुल्क को हटाया जाता है तो पाटन के जारी रहने और उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का आरोप लगाया गया है। आवेदक ने यह बताते हुए केवल चीन जन.गण. के विरुद्ध लागू पाटनरोधी शुल्क के संबंध में निर्णायक समीक्षा करने हेतु आवेदन दायर किया है कि जापान से न तो संबद्ध वस्तु का पाटन हो रहा है और न ही पाटन होने की संभावना है। आवेदक ने केवल चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने और उसे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

6. उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरुआत करते हैं और प्राधिकारी आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के आधार पर यह मानते हैं कि चीन जन. गण. के विरुद्ध लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरुआत करना उचित होगा ताकि संबद्ध देशों से ऐसे पाटन की क्षतिपूर्ति के लिए ऐसे शुल्क को जारी रखने की जरूरत की जाँच की जा सके और इस बात की जाँच करने के लिए कि क्या यदि शुल्कों को हटाया या बदला जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

### **शामिल देश**

7. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में संबद्ध देश चीन जन. गण है।

### **विचाराधीन उत्पाद**

8. मूल जाँच की तरह वर्तमान निर्णायक समीक्षा आवेदन में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "1,1,1,2-टेट्राफ्लोरोइथेन" है जिसे "आर-134ए" के रूप में भी जाना जाता है। मूल जाँच में विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

51.. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकार का "1, 1, 1, 2- टेट्राफ्लोरोइथेन या आर-134ए" है। आर-134ए को टेट्राफ्लोरोइथेन, जेनेट्रोन 134ए, सुवा 134ए या एचएफसी-134ए, एचएफए-134ए और नॉरफ्लूरेन भी कहा जाता है। यह एक हालोअल्केन प्रशीतक है जिसमें आर-12 (डिक्लोरोडिफ्लोरोमिथेन) के समान तापगतिकीय विशेषताएं होती हैं, परन्तु यह ओजोन को क्षति पहुंचाने वाला नहीं होता है। इसका रासायनिक सूत्र सीएच<sub>2</sub>एफसीएफ<sub>3</sub> होता है और इसका क्वथनांक -26.3 डिग्री सेल्सियस (-15.34 डिग्री फारेनहाइट) होता है। यह एक अक्रिय गैस है जिसका प्रयोग प्राथमिक तौर पर घरेलू रेफ्रिजरेशन और आटोमोबाइल एअर-कंडीशनर के लिए उच्च तापमान प्रशीतक के रूप में होता है। संबद्ध वस्तु के अन्य प्रयोगों में प्लास्टिक फोम ब्लोविंग, सफाई के विलायक के रूप में और भेषजों की डिलिवरी के लिए एक चालक के रूप में (उदाहरणार्थ ब्रॉकोडिलेटर्स), गैस डस्टर्स, और संघटित वायु के से आर्द्रता हटाने के लिए एअर ड्रायर्स में होता है।

52. संबद्ध वस्तु का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत "हाइड्रोकार्बन की हेलोजिनेटेड व्युत्पत्तियों" के अंतर्गत उपशीर्ष 2903 के अंतर्गत, भारतीय व्यापार वर्गीकरण के अंतर्गत "अन्य फ्लोरिनेटेड व्युत्पत्तियों" के रूप में उपशीर्ष 29033919 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है (सुमेलीकृत वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली के आधार पर)। तथापि, याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद को कोई समर्पित सीमाशुल्क

वर्गीकरण नहीं है और उसका आयात विभिन्न अन्य सीमाशुल्क उपशीर्षों के अंतर्गत किया जा रहा है। तथापि सीमा-शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

9. विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकार का "1,1,1,2-टेट्राफ्लोरोइथेन या आर-134ए" है। आर-134ए को टेट्राफ्लोरोइथेन, जेनेट्रोन 134ए, सुवा 134ए या एचएफसी-134ए, एचएफए-134ए भी कहा जाता है। यह एक हालोअल्केन प्रशीतक है जिसमें आर-12 (डिक्लोरोडिफ्लोरोमिथेन) के समान तापगतिकीय विशेषताएं होती हैं, परन्तु यह ओजोन को क्षति पहुंचाने वाला नहीं होता है। इसका रासायनिक सूत्र सीएच<sub>2</sub>एफसीएफ<sub>3</sub> होता है और इसका क्रथनांक -26.3 डिग्री सेल्सियस (-15.34 डिग्री फारेनहाइट) होता है। वर्तमान निर्णायक समीक्षा जाँच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जाँच में पूर्व में अधिसूचित अंतिम जाँच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के दायरे के समान रहेगा।

10. जैसा कि आवेदक ने दावा किया है, संबद्ध वस्तु का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत "हाइड्रोकार्बन की हेलोजिनेटेड व्युत्पत्तियों" के अंतर्गत उपशीर्ष 2903 के अंतर्गत, भारतीय व्यापार वर्गीकरण के अंतर्गत "अन्य फ्लोरिनेटेड व्युत्पत्तियों" के रूप में उपशीर्ष 29033919 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है (सुमेलीकृत वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली के आधार पर)। तथापि, आवेदक ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद को कोई समर्पित सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है और उसका आयात विभिन्न अन्य सीमाशुल्क उपशीर्षों के अंतर्गत किया जा रहा है। तथापि सीमा-शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

### **समान वस्तु**

11. समान वस्तु के संबंध में नियम 2 (घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:—

*"समान वस्तु" का अर्थ ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटित किए जाने की जाँच के अधीन वस्तु के सभी तरह से समान यह उसके जैसी हो या ऐसी किसी वस्तु की अनुपस्थिति में कोई अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी तरह से समान नहीं हो, तथापि उसमें जाँच के अधीन वस्तु से बिल्कुल मिलती-जुलती विशेषताएं हों।*

12. आवेदक ने दावा किया है कि आवेदकों द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पादों में भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्य और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन और टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मापदंडों की दृष्टि से तुलनीय विशेषताएं हैं। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के संबंध में अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की तुलना से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से समान हैं। प्राधिकारी निर्धारित करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है।

### **घरेलू उद्योग और उसकी योग्यता**

13. निर्णायक समीक्षा हेतु वर्तमान आवेदन मै. एसआरएफ लि., जो मूल जाँच में घरेलू उद्योग थे और जिसने भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक होने का दावा किया है, ने दावर किया है। उन्होंने निर्णायक समीक्षा हेतु आवेदन में यह घोषित किया है कि न तो वे और न ही उनके संबंधित पक्षकार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में शामिल हैं और वे संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित हैं। अतः प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर मै. एसआरएफ लि. को घरेलू उद्योग मानते हैं और वर्तमान आवेदन संबंधित नियमावली के नियम 5 के अनुसार वह योग्यता संबंधी मापदंडों को पूरा करती है।

14. समीक्षा की जरूरत को सही ठहराते हुए आवेदक द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर स्वयं को संतुष्ट करते हुए, प्राधिकारी एतद्वारा पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार चीन जन. गण. के विरुद्ध लागू शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने और इस बात की जाँच करने कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की आशंका है, के लिए निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करते हैं।

### **जाँच अवधि**

15. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि अक्टूबर, 2013 - सितम्बर, 2014 तक की है। तथापि, क्षति जाँच अवधि में अप्रैल 2011 - मार्च 2012, अप्रैल 2012 - मार्च 2013, अप्रैल 2013 - मार्च 2014 और जाँच अवधि की समयावधि शामिल होगी। जाँच अवधि के बाद के आकड़ों की भी पाटन और क्षति की आशंका के निर्धारण के लिए जाँच की जा सकती है।

**प्रक्रिया**

16. इस जाँच से यह निर्धारित होगा कि क्या क्या उपाय की समाप्ति से पाटन और क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की आशंका है। प्राधिकारी इस बात की जाँच करेंगे कि क्या पाटन की क्षतिपूर्ति के लिए ऐसे शुल्क को जारी रखने की जरूरत है और क्या यदि शुल्कों को हटाया या बदला जाता है या ये दोनों किए जाते हैं तो क्षति होना जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। वर्तमान समीक्षा में दिनांक 10 मई, 2011 की अधिसूचना सं. 14/24/2009-डीजीएडी (मूल जाँच के अंतिम जाँच परिणाम) के केवल चीन जन. गण. से संबंधित सभी पहलू शामिल हैं। संबंधित नियमावली के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 के उपबंध आवश्यक संशोधनों के साथ इस समीक्षा पर लागू होंगे।

**सूचना प्रस्तुत करना**

17. संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावासों के जरिए संबद्ध देश की सरकार, उत्पाद से संबंधित समझे जाने वाले भारत में ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने और निम्नलिखित पते पर प्राधिकारी को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है:—

**भारत सरकार****वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय****वाणिज्य विभाग****पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय****चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग****5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001**

18. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत सूचना संबंधी कोई अनुरोध नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित ढंग और पद्धति से प्रस्तुत कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी पक्षकार को अन्य पक्षकारों को उपलब्ध कराए जाने के लिए उक्त अनुरोध का अगोपनीय अंश प्रस्तुत करना होगा।

**समय-सीमा**

19. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई हेतु कोई अनुरोध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

20. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे इस समीक्षा जांच की शुरुआत की तारीख से 40 दिनों के भीतर वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना दें और प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपाय जारी रखने की जरूरत अथवा अन्यथा के बारे में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करें।

**गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना**

21. यदि प्रश्नावली के उत्तर/अनुरोधों के किसी भाग के बारे में गोपनीयता का दावा किया जाता है तो उसे दो अलग-अलग सैटों (क) गोपनीय रूप से अंकित (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) और (ख) अगोपनीय रूप में अंतिम दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। प्रस्तुत की गई समस्त सूचना पर प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए और उनके साथ उनकी सॉफ्ट कॉपियाँ होनी चाहिए।

22. किसी गोपनीय अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। समस्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय रूपांतरण की दो (2) प्रतियाँ और अगोपनीय रूपांतरण की दो (2) प्रतियाँ सॉफ्ट प्रतियों के साथ, प्रस्तुत की जानी चाहिए।

23. गोपनीय रूप में दावा की गई सूचना हेतु, सूचना प्रदाता के लिए यह अपेक्षित है कि वह प्रदान की गई सूचना के साथ इस आशय के यथोचित कारण का एक विवरण उपलब्ध कराए कि ऐसी सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता और/अथवा ऐसी सूचना का सारांश क्यों संभव नहीं है।

24. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई/सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है; तो प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

25. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

26. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी रिकॉर्ड में नहीं ले सकते हैं। संतुष्ट होने और प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत को स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार का उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

### **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

27. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

### **असहयोग**

28. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## **MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

### **Initiation Notification**

New Delhi, the 10th April, 2015

**(Sunset Review)**

**Subject: Initiation of Sun Set Review (SSR) investigation of the anti-dumping duty imposed on the imports of "1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a", originating in or exported from China PR**

**F. No.15/23/2014-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter also referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred as the Rules);

2. Whereas, the original anti-dumping investigation concerning imports of "1,1,1,2-Tetrafluoroethane" also known as "R-134a" (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR and Japan, was initiated by the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) vide Notification No. 14/24/2009- DGAD dated 19th August, 2009 on the basis of an application filed by M/s SRF Ltd.

3. Whereas, in the original investigation, the preliminary finding was issued by the Authority recommending imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and Japan, vide Notification No. 14/24/2009-DGAD dated 19th February,

2010. Accordingly, the provisional anti-dumping duties were imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and Japan, vide Notification No. 52/2010-Customs dated 19th April, 2010.

4. Whereas, the final finding of the original investigation was issued by the Authority, recommending imposition of definitive anti-dumping duties, on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and Japan, vide Notification No. 14/24/2009-DGAD dated 10<sup>th</sup> May 2011. Accordingly, definitive anti-dumping duties were imposed by the Central Government, on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and Japan, vide Notification No. 61/2011-Customs dated 15<sup>th</sup> July, 2011.

5. Whereas, M/s. SRF Ltd., the domestic industry in the original investigation and the sole producer of the subject goods in India (hereinafter also referred to as the applicant) has filed a duly substantiated application, in accordance with the Act and the Rules, alleging dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR and consequent injury to the domestic industry and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in the event of revocation of the anti-dumping duty. The applicant has filed the application for sunset review in respect of the anti-dumping duty imposed against China PR only, stating that there is neither dumping nor likelihood of dumping of the subject goods from Japan. The applicant has requested for continuation and enhancement of the anti-dumping duty, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR only.

6. In view of the above position, the Authority initiates sunset review investigation in respect of the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country). And, the Authority on the basis of prima facie evidences furnished by the applicant considers that initiation of sunset review proceedings for the anti-dumping duties in force against China PR would be appropriate to examine the need for continuation of such duties to offset dumping from the subject country and to examine as to whether the injury to the domestic industry is likely to continue or recur if the duties were removed or varied.

### **Country Involved**

7. The subject country in the present sunset review investigation is China PR.

### **Product under Consideration**

8. The product under consideration (PUC) in the present SSR application, as in the original investigation, is “1,1,1,2-Tetrafluoroethane” also known as “R-134a”. In the original investigation, the PUC was defined as follows:

51. *The product under consideration in the present investigation is 1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types. R-134a, is also called as Tetrafluoroethane, Genetron 134a, Suva 134a or HFC-134a, HFA-134a, and Norflurane. It is a haloalkane refrigerant with thermodynamic properties similar to R-12 (dichlorodifluoromethane), but without its ozone depletion potential. It has the chemical formula CH<sub>2</sub>FCF<sub>3</sub>, and a boiling point of –26.3 °C (–15.34 °F). It is an inert gas used primarily as a high temperature refrigerant for domestic refrigeration and automobile air-conditioners. Other uses of the subject goods include plastic foam blowing, as a cleaning solvent and as a propellant for the delivery of pharmaceuticals (e.g. bronchodilators), gas dusters, and in air driers, for removing the moisture from compressed air.*

52. *The subject goods are being imported under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under subheading 2903 under “Halogenated Derivatives of Hydrocarbons”, under subheading 29033919 as “Other Fluorinated Derivatives”, under the Indian Trade Classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System). The petitioner has, however claimed that the product under consideration does not have any dedicated customs classification code and are being imported under various other Customs sub-headings. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.*

9. The product under consideration is 1,1,1,2-Tetrafluoroethane or R-134a of all types. R-134a, also called as tetrafluoroethane, Genetron 134a, Suva 134a or HFC-134a, is a haloalkane refrigerant with thermodynamic properties similar to R-12 (dichlorodifluoromethane), but without its ozone depletion potential. It has the formula CH<sub>2</sub>FCF<sub>3</sub>, and a boiling point of –26.3 °C (–15.34 °F). The scope of the product under consideration in the present sunset review investigation remains the same as the scope of the product under consideration in the final findings earlier notified in the original investigation.

10. As claimed by the applicant, the subject goods are being imported under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under subheading 2903 under “Halogenated Derivatives of Hydrocarbons”, under subheading 29033919 as “Other Fluorinated Derivatives”, under the Indian Trade Classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System). The applicant has, however claimed that the product under consideration does not have any dedicated customs classification code and are being imported under various other Customs sub-headings. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

### **Like Article**

11. Rule 2(d) with regard to like article provides as under: —

*"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*

12. The applicants have claimed that there is no known difference in the product produced by the applicants and exported from the subject countries. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. It has been claimed by the domestic industry that comparison of essential product properties in respect of domestic product and imported product show that the subject goods produced by the domestic industry are similar to the subject goods imported from subject country in terms of essential product properties. The Authority determines that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the subject goods imported from the subject country.

### **Domestic Industry Standing**

13. The present application for sunset review has been filed by M/s SRF Ltd., the domestic industry in the original investigation and claimed to be the sole producer of the subject goods in India. They have declared in the SSR application that neither they nor their related parties are involved in the imports of the subject goods from the subject country or are related to the importers of the subject goods from the subject country. The Authority, therefore, considers M/s. SRF Ltd. as constituting domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) of the Rules and the present application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

14. Having satisfied itself on the basis of the positive prima facie evidence submitted by the applicant substantiating the need for a review, the Authority hereby initiates the Sunset Review in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of Antidumping Rules, to review the need for continued imposition of duties in force against China PR and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

### **Period of Investigation**

15. The period of investigation for the purpose of the present review is from October, 2013 – September, 2014. The injury investigation period will however cover the periods April, 2011 – March, 2012, April 2012 – March, 2013, April, 2013 – March, 2014 and the POI. The data beyond POI may also be examined to determine the likelihood of dumping and injury.

### **Procedure**

16. The investigation will determine whether the expiry of the measure would be likely to lead to a continuation or recurrence of dumping and injury. The Authority will examine whether the continued imposition of the duties is necessary to offset dumping and whether the injury would be likely to continue or recur if the duty is removed or varied, or both. The present review covers all aspects of Notification No. 14/24/2009- DGAD, dated 10<sup>th</sup> May 2011 (final findings of the original investigation) as regards China PR only. The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rules supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

### **Submission of Information**

17. The known exporters in the subject country, the government of the subject country through its embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being

addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**Government of India**  
**Ministry of Commerce and Industry**  
**Department of Commerce**  
**Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties**  
**4<sup>th</sup> Floor, Jeevan Tara Building**  
**5, Parliament Street, New Delhi – 110001**

18. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to submit a non-confidential version of the same to be made available to the other parties.

**Time Limit**

19. Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-dumping Rules.

20. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to continue or otherwise the Anti-dumping measures within 40 days from the date of initiation of this investigation.

**Submission of information on confidential basis**

21. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page and accompanied with soft copies.

22. Information supplied without any confidential marking shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and two (02) copies of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.

23. For information claimed as confidential, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.

24. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out /summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.

25. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

26. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on



being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

**Inspection of public file**

27. In terms of Rule 6(7) of the AD Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

**Non-cooperation**

28. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. K. DADOO, Designated Authority